समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीकॉन)

सत्रीय कार्य : 2021–2022

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001 : समाज कार्य का उदगम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016 :परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई,2021 सत्र – 31 मार्च,2022
जनवरी,2022 सत्र – 30 सितम्बर,2022

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीकॉन) कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।(पीजीडीकॉन)कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के (पीजीडीकॉन) अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30: भारित देते हैं।सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्‌यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) ओडीएल को परिभाषित करें। ओडीएल के माध्यम से समाज कार्य शिक्षा में छात्र सहायता सेवाओं के बारे में चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में सामुदायिक कार्य के ऐतिहासिक विकास के बारे में लिखिए तथा समाज कार्य व्यवसाय में सामुदायिक कार्य के स्थान की भी चर्चा कीजिए। 20

2) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य मूल्यों और नैतिकता के बारे में चर्चा करें। 20

अथवा

सामान्यवादी अभ्यास की व्याख्या करें। कारण दीजिए कि यह भारत में क्यों प्रासंगिक है। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य व्यवसाय में वैयक्तिक कार्य के स्थान की विवेचना कीजिए। 10

ख) पेशे की विशेषताएं क्या हैं? इस पर टिप्पणी करें कि क्या सामाजिक कार्य में आपका क्षेत्र पेशे के मानदंडों को पूरा करता है? 10

ग) समाज कल्याण प्रशासन में शामिल विभिन्न मान्यताओं के बारे में लिखें। 10

घ) 'सामाजिक न्याय' शब्द से आप क्या समझते हैं? विस्तार से कहें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) एशियाई देशों में से किसी एक में समाज कार्य के उद्‌भव पर टिप्पणी कीजिए। 5

ख) 'स्वैच्छिक क्रिया' की पाँच विशेषताएँ क्या हैं? 5

ग) समाज कार्य अनुसंधान करते समय नैतिक सुरक्षा उपाय क्या हैं जिनका विचार करने की आवश्यकता है? 5

घ) दो प्राथमिक प्रभावों के नाम लिखिए जो सामाजिक कार्यकर्ताओं को एक पेशेवर पहचान स्थापित करने में संतुलित करना चाहिए। संक्षेप में बताएं कि यह कहने का क्या अर्थ है कि वे पारस्परिक हैं। 5

ङ) अपने शब्दों में समझाएं कि आपके लिए सामाजिक कार्य का क्या अर्थ है। 5

च) वर्तमान सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितियों से निपटने में समाज कार्य के तरीके कैसे उपयोगी हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) NASW आचार संहिता के कोई 3 उद्देश्य 4

ख) सामुदायिक कार्य के अनुप्रयोग के कोई 2 क्षेत्र 4

ग) निगमनात्मक अनुसंधान 4

घ) यूके में समाज कल्याण में कोई 3 महत्वपूर्ण स्थल 4

ङ) वैयक्तिक कार्य का महत्व 4

च) समाज कार्य के लिए चैनल 4

छ) समूह कार्य के लाभों की सूची बनाएं 4

ज) समाज कार्य अनुसंधान 4

जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–012
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. शैशवावस्था में शारीरिक विकास पर प्रकाश डालिए। 20

या

किशोरों के प्रमुख विकासात्मक कार्यों पर चर्चा करें? 20

2. उन कारकों को सूचीबद्ध करें जिन्होंने वृद्ध लोगों की भेद्यता को प्रभावित किया है। 20

या

पितृत्व के चरणों की व्याख्या करें। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **300** शब्दों में दीजिए:

क) लगाव और उसके विकास की व्याख्या करें। 10
ख) किशोरावस्था के भावनात्मक विकास की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10
ग) अकेलेपन, चिंता और तनाव से पीड़ित बुजुर्ग दम्पतियों को आप क्या सेवाएं दे सकते हैं? 10
घ) समाज में वयस्कों की भूमिकाओं को सूचीबद्ध करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में लिखिए:

क) पारिवारिक जीवन चक्र के आठ चरण कौन से हैं? 5
ख) एक बच्चे के जीवन में 'खेल' के महत्व का वर्णन करें। 5
ग) डायना बॉमरिंड द्वारा सुझाई गई चार पितृत्व शैलियाँ क्या हैं? 5
घ) संज्ञानात्मक विकास के अध्ययन के लिए उपागमों को सूचीबद्ध करें। 5
ङ) साथी चयन के फिल्टर सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 5
च) कृषि और मध्यकालीन समाज में बुजुर्गों द्वारा निभाई जाने वाली पांच प्रमुख भूमिकाओं की सूची बनाएं। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) अनुभूति 4
ख) पूर्व–भाषाई भाषण 4
ग) आत्मसम्मान 4
घ) सहकर्मी–संस्कृति 4
ङ) पितृत्व शैलियाँ 4
च) सक्रिय बुढ़ापा 4
छ) जराचिकित्सा परामर्श 4
ज) वृद्धावस्था में चुनौतियां 4

परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–013
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1 उदाहरण के साथ लेन–देन संबंधी विश्लेषण में शामिल प्रमुख अवधारणाओं और चरणों की चर्चा करें। 20

या

चिंता विकारों के प्रमुख प्रकारों की व्याख्या कीजिए। 20

2 मादक द्रव्यों के सेवन के प्रबंधन में एक पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

या

एरिकसन के मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 20

3 निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए:
क) मनोविज्ञान में प्रयुक्त किन्हीं दो वर्णनात्मक विधियों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 10
ख) मनोभ्रंश देखभाल और प्रबंधन में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें। 10
ग) 'स्टीरियोटाइप' को परिभाषित करें। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ स्टीरियोटाइप की विशेषताओं की व्याख्या करें। 10
घ) समूह गतिकी की अवधारणा और घटकों की चर्चा कीजिए। 10

4 निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें:
क) व्यक्तित्व के इद, अहंकार और पराहम् की व्याख्या करें। 5
ख) भारत में प्रचलित सामाजिक संघर्षों पर प्रकाश डालिए। 5
ग) सामाजिक शिक्षा सिद्धांत के बारे में संक्षेप में बताएं। 5
घ) भारत में भाषाई विविधता के बारे में लिखिए। 5
ङ) मनोदशा विकारों के कारणों की व्याख्या करें। 5
च) चिकित्सीय त्रय की अवधारणा पर चर्चा करें। 5

5 निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
क) आत्मकेंद्रित के कारण 4
ख) अभिघातज के बाद का विकार 4
ग) स्वास्थ्य मनोविज्ञान 4
घ) जातिवाद 4
ङ) सकारात्मक सुदृढ़ीकरण 4
च) संरचनावाद 4
छ) तनाव 4
ज) पूर्वाग्रह 4

परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–14
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वैयक्तिक कार्य की उत्पत्ति और विकास का पता लगाए। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य के विभिन्न घटकों की व्याख्या करें और प्रत्येक घटक एक सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका से संबंधित हों। 20

2) उन कारणों पर चर्चा करें कि क्यों किसी समस्या का सामना करने में व्यक्ति अपने सामान्य मुकाबला पैटर्न को अप्रभावी पाते हैं। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य में दस्तावेज़ीकरण और रिकॉर्डिंग के महत्व का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास में सामाजिक अध्ययन, मूल्यांकन, हस्तक्षेप, समाप्ति और , मूल्यांकन प्रक्रिया के अनुप्रयोग पर चर्चा करें। 10

ख) भारत में सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास की प्रवृत्ति को उजागर करें । 10

ग) साक्षात्कार प्रक्रिया में संलग्न होने के लिए आवश्यक मूल और सामान्य कौशल क्या हैं? 10

घ) स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सामाजिक वैयक्तिक कार्य के दायरे को स्पष्ट करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) वैयक्तिक कार्य और परामर्श में क्या समानताएं हैं? 5

ख) 'संक्षेप में वैयक्तिक कार्य क्लाइंट संबंध की विशिष्टता को स्पष्ट करें? 5

ग) गोपनीयता के सिद्धांत की सीमाओं की गणना करें 5

घ) निदान में विभिन्न चरणों की सूची बनाएँ। 5

ङ) परावर्तक तकनीक की व्याख्या करें।उदाहरण दें। 5

च) सामुदायिक वैयक्तिक कार्य को परिभाषित करें? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) व्यक्तिकरण का सिद्धांत 4

ख) मदद करने का कौशल और तकनीक 4

ग) वैयक्तिक कार्य की तकनीक के रूप में परामर्श 4

घ) वैयक्तिक कार्य अभ्यास का स्वदेशीकरण 4

ङ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य साक्षात्कार का उद्देश्य 4

च) प्रक्रिया रिकॉर्डिंग 4

छ) परिवार चिकित्सा 4

ज) सुधारात्मक सेटिंग्स में सामाजिक वैयक्तिक कार्य 4

परामर्श की मूल बातें
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–15
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परामर्श में वर्तमान प्रवृत्तियों की व्याख्या करें। 20

अथवा

परामर्श से संबंधित नियमों की विवेचना कीजिए। 20

2) परिवार परामर्श में सेवन, मूल्यांकन, निदान और परिकल्पना निर्माण के तरीकों का वर्णन करें। 20

अथवा

विकलांग बच्चों से निपटने में प्ले थेरेपी के महत्व पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) परामर्श और मनोचिकित्सा के बीच अंतर करें। 10

ख) परामर्श में पर्यवेक्षण पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

ग) परामर्श में मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण की व्याख्या करें। 10

घ) सहायक मनोचिकित्सा के घटकों और तकनीकों की चर्चा कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) परामर्श के लक्ष्य क्या हैं? 5

ख) 'एक अच्छे परामर्शदाता के लिए आवश्यक कौशलों का उल्लेख कीजिए। 5

ग) 'सकारात्मक संबंध' की अवधारणा की व्याख्या करें। 5

घ) वैवाहिक परामर्श के चरणों को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) परिवार परामर्श के किसी एक स्कूल पर चर्चा करें । 5

च) लेन–देन संबंधी विश्लेषण की तकनीकों पर प्रकाश डालिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) परामर्श की विशेषताएं 4

ख) सहानुभूति 4

ग) गोपनीयता के आयाम 4

घ) दीवानी और आपराधिक दायित्व 4

ङ) संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी 4

च) संदर्भ का फ्रेम 4

छ) सूचित सहमति का अधिकार 4

ज) रिश्ता 4

परामर्श के क्षेत्र
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–16
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मानसिक स्वास्थ्य से आप क्या समझते हैं ? मानसिक स्वास्थ्य अभ्यास मॉडल पर चर्चा करें। 20

अथवा

पुनर्वास परामर्श के विशेष क्षेत्रों के बारे में लिखिए। 20

2) कोविड–19 के दौरान बिना फिजिकल क्लासरूम खुलने के कितना महत्वपूर्ण है परामर्श हाई स्कूल स्तर पर। समझाएं। 20

अथवा

विकलांगता के क्षेत्र में माता–पिता के परामर्श के महत्व का वर्णन करें । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के बारे में लिखें। 10

ख) आप देखभाल करने वालों के मुद्दों को कैसे संबोधित करेंगे? समझाएं । 10

ग) 'खराब समय प्रबंधन के मामले में कई समस्याएं'। कोई कैसे समय प्रबंध कर सकता है ? 10

घ) किशोरावस्था परामर्श के दौरान आवश्यक आवश्यक कौशल क्या होंगे? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) न्यायिक व्यवस्था में परामर्शदाता की भूमिका की चर्चा अपने शब्दों में कीजिए। 5

ख) एचआईवी / एड्स से संबंधित कानूनी और नैतिक मुद्दे क्या हैं? 5

ग) तनाव प्रबंधन की किन्हीं तीन तकनीकों के बारे में लिखिए? 5

घ) आत्महत्या को परिभाषित कीजिए। दुर्खीम के अनुसार आत्महत्या के किसी एक सिद्धांत की चर्चा कीजिए? 5

ङ) किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2000 पर प्रकाश डालें। 5

च) परिवार परामर्श के चरणों की सूची बनाएं। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) विवाह का विघटन 4

ख) धर्मशाला सेवाएं 4

ग) पुनर्वास परामर्श 4

घ) निर्देशित फैंटेसी 4

ङ) समतावाद 4

च) मेट 4

छ) देखभाल 4

ज) GATHER दृष्टिकोण 4